ॐ

निबंधन संख्या - 927/08-09 दूरभाष :: 0651-3512271, 2251008

विद्या विकास समिति, झारखण्ड

(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध)

शुक्ला कॉलोनी, हिनू, पत्रा.-डोरण्डा, राँची - 834002

E-mail - vvs.jharkhand@yahoo.com, vvs.jharkhand@gmail.com **Web** - http://www.vvsjharkhand.org.in

पत्रक क्र. : 21/2022-23 (मार्गशीर्ष शुक्ल 05 वि. सं. 2079 युगाब्द 5124) दिनांक : 28/11/2022

मान्यवर/मान्या,

सादर नमस्कार।

किसी भी शिक्षण संस्थान में छात्र-छात्राओं (भैया-बहनों) के सर्वांगीण विकास में घर-परिवार के साथ-साथ शिक्षक अर्थात आचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण है। वास्तव में इस असाधारण कार्य को शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों के आचार्यों ने आत्मीय भाव से किया है और कर रहे हैं। कार्य करते-करते यदि समय-समय पर उनका अभ्यास होता रहे तो उनमें कार्य करने की कुशलता में वृद्धि हो सकती है। कुशलताएँ अनुभव से ही तो आती है। तभी तो कहा गया है - **''योग्यता से अनुभव बड़ा होता है''**, अनुभव घर बैठे नहीं आ सकता। यह तो अभ्यास, अभ्यास और अभ्यास से ही हो सकता है। सीखने की वृति और प्रवृति हो तो इसे कई प्रकार से सीख सकते हैं - (1) कक्षा शिक्षण, (2) औपचारिक-अनौपचारिक वार्ता, (3) शिक्षा क्षेत्र के विद्वानों से सम्पर्क एवं चर्चा तथा वार्ता, (4) संगोष्ठियों में भाग लेना, (5) अभ्यास वर्गों में भाग लेना, (6) स्वाध्याय की वृति, (7) निष्ठा और लगन, (8) आत्म-मूल्यांकन-विश्लेषण-आत्मचिंतन।

आचार्य विकास आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, क्योंकि आचार्य द्वारा ही भैया-बहनों को विकसित करना है। यह कार्यकर्ता/आचार्य विकास एक बार का विषय नहीं है अपितु निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जिन्हें लगता है कि हम अब विकसित हो गये, अब विकास शेष नही, तो यहीं विकास की गति अवरूद्ध होकर प्रतिसर में गतिमान हो जाती है।

कक्षा अरूण, उदय, प्रभात हो या द्वादश जो स्वयं स्वाध्याय पश्चात सभी शैक्षिक उपकरणों से सज्जित होकर कक्षा में जाते है तो आचार्य जी भी आनंद की अनुभूति करते हैं एवं भैया-बहनों को जो देना चाहिए मिल पाता है।

सरस्वती के इस दरबार की बात ही निराली है-**''ज्यों-ज्यों खर्चे त्यों-त्यों बढ़े, बिन खर्चे घटि जाए''**, तो आइये स्वयं को Up-to-date एवं Upgrade करते हुए अपने भैया-बहनों को लक्ष्य प्राप्ति कराने में सहभागी बनें।

आगामी कार्यक्रम

1. प्रांतीय घोष वर्ग

घोष अपने विद्यालय का शृंगार है। घोष के साथ संचलन अत्यधिक प्रभावी होता है। अपने विद्यालयों में घोष सुदृढ़ हो, घोष वादक भैया-बहन तैयार हों इस दृष्टि से घोष प्रशिक्षक आचार्य तैयार करने हेतु प्रांतीय घोष आचार्यों का प्रशिक्षण वर्ग 05 से 09 दिसम्बर 2022 तक आचार्य प्रशिक्षण विद्यालय, श्री कृष्ण चंद गाँधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, राँची में आयोजित है। कोरोना काल में घोष अभ्यास भी छूटा है, अत: अभ्यास की दृष्टि से भी यह वर्ग आवश्यक है। 26 जनवरी 2023 के ठीक पहले यह वर्ग आयोजित है। वादक अपना वाद्ययंत्र आनक/शंख/घोषदण्ड आदि लेकर आवें। एक विद्यालय से न्यूनतम दो आचार्यों (आनक/शंख) की अपेक्षा है कम से कम एक तो भेंजे ही। व्यवस्था शुल्क ₹1,000/- (एक हजार रुपए मात्र) प्रति प्रतिभागी निर्धारित है। 05 दिसम्बर 22 को दोपहर भोजन पूर्व उपस्थिति अनिवार्य है। ओढ़ने का कम्बल, बेडसीट, थाली एवं ग्लास तथा दैनिक उपयोग की सामाग्री साथ लावें।

2. शिशु वर्ग की प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता

यह प्रतियोगिता 10 से 12 दिसंबर, 2022 को शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा में आयोजित है। इस प्रतियोगिता में दौड़, कूद एवं फेंक के साथ ही शिशु वर्ग की कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता

के प्रतिभागी भाग लेंगे। नियमावली के लिए खेल-कूद पत्रक का अवलोकन करें। व्यवस्था शुल्क ₹500+₹100 =₹600/- (छः सौ रुपए मात्र) प्रति प्रतिभागी निर्धारित है। बेडसीट, ओढ़ने का कम्बल, ग्लास एवं दैनिक उपयोग की सामाग्री अपने साथ लाना अनिवार्य है।

3. विजय दिवस - 16 दिसंबर

16 दिसम्बर 2022 को अपने सैनिकों की शौर्य गाथा भैया-बहनों को सुनाएँ, पूर्व या वर्तमान सैनिकों का सम्मान समारोह अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित करें। इसकी अपेक्षा है।

4. संस्कृति ज्ञान परीक्षा

(1) आचार्यों के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा तिथि - 17/12/2022
(2) अभिभावकों एवं पूर्व छात्र के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा तिथि- 24/12/2022
(3) छात्रों के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा तिथि- 21/01/2023
(4) अन्य विद्यालयों के लिए सम्मिलिति कराने वाले प्रद्यानाचार्य जी तिथि निर्धारित करेगें।

5. विद्या भारती प्रतिभा खोज एवं प्रतिभा चयन - मुख्य परीक्षा

यह परीक्षा 20 दिसम्बर 2022 को प्रदेश द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर होगी। सूचना परीक्षा विभाग द्वारा प्राप्त होगी।

6. श्रीनिवास रामानुजन जयंती / गणित दिवस - 22 दिसंबर

22 दिसंबर 2022 के दिन गणित मेला विद्यालय में आयोजित करें। गणित के विविध कार्यक्रम वाटिका से लेकर तरुण वर्ग तक के लिए आयोजित करें। कोई वंचित न रहे इसमें सहभाग करने से, सबकी सहभागिता सुनिश्चित हो।

7. विद्वत परिषद

25 दिसम्बर 2022 को पं० मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती है। इस अवसर पर प्रत्येक विद्यालय में, जिस नगर में एक से अधिक विद्यालय है, तो एक साथ विद्वत गोष्ठी आयोजित करें। कवि सम्मेलन करें। भैया-बहनों को कविता पाठ का अवसर एक दिन पूर्व ही दे दें। 25 दिसंबर 2022 को विद्यालयों में विद्वत गोष्ठी अवश्य आयोजित हो। यह गोष्ठी प्रदेश में एक स्थान पर न होकर सभी विद्यालयों में हो। मूर्धन्य विद्वान बुलाकर सम्मानित किये जाएँ। साहित्य के क्षेत्र में पं० मदन मोहन मालवीय एवं अटल जी के योगदान पर चर्चा वार्ता आयोजित किये जाए।

8. वीर बाल दिवस

26 दिसम्बर 2022 को वंदना सभा में गुरुपुत्रों के बलिदान पर चर्चा हो। यह चर्चा कक्षाशः भी की जा सकती है।

9. प्रेषित की जाने वाली निधियाँ

प्रांतीय गतिविधि शुल्क, अक्षय निधि सहित अन्य बकाया राशि प्रदेश प्रेषित करें। इसका हिसाब भी प्रेषित करें। एक साथ पूर्णतः भेजना सम्भव न हो तो प्रत्येक माह भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

10. विद्या भारती कार्यकर्ता कल्याण न्यास

यह न्यास पूर्णतः आचार्य परिवार का न्यास है। इसकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो रही है। 50 से 75 हजार एवं 1-1½ लाख तक एक विद्यालय में कल्याण राशि समर्पित की जा रही है, न्यास की ओर से की जानी भी चाहिए। किन्तु कहाँ से ? आय से ही न ? न्यास को समर्पित की जा रही राशि का 1/4 या 1/5 भाग ही विद्यालयों से प्राप्त हो रहा है, यह विचारणीय विषय है। ₹50/- के गुणक में भेजना तो पुराना नियम है, यह भी विद्यालयों द्वारा पालन नही हो रहा।

11. आचार्य स्थायित्व वर्ग

जो उतीर्ण हैं एवं गोपनीय प्रतिवेदन विद्यालय से प्राप्त है, सब ठीक है तो स्थायित्व पत्र भेजा रहा है। जिन्हें पत्र नहीं प्राप्त हुआ है, अपने विभाग प्रमुख जी से वार्ता करें।

12. वार्षिक पत्रिका ''उत्सर्ग''

अपनी वार्षिक पत्रिका ''**उत्सर्ग**'' छपने को तैयार है। किन्हीं को संख्या में वृद्धि करनी हो, या आदेश देना भूल गये हों तो कृपया पत्रक प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर आदेश एवं 50 के गुणक में राशि भेज दें।

13. वार्षिक उपलब्धि बिन्दु

वार्षिक उपलब्धि बिन्दु 05 दिये गये हैं वार्षिक कार्य योजना में, उपलब्धि अवश्य ही प्राप्त किया होगा सब ने। प्रधानाचार्य सम्मेलन में लिखित आख्य लावें। चर्चा होगी।

14. मासांत बैठक की व्यवस्था

पाँच सत्रों में सत्रश: करने की अपेक्षा की गई थी। क्या अंतर आया है, लिखित आख्य लायेगें। विद्यालय से किसी भी प्रकार के आख्य या वृत्त प्रेषित किये जाते है तो माननीय स्थानीय सचिव जी को एक प्रति अवश्य ही समर्पित करें।

15. सत्रारंभ की तैयारी

आप प्रारम्भ कर चुके होगें। श्रेष्ठतम व्यवस्थाओं से विभाग प्रमुख द्वारा प्रदेश को सूचित करेगें। अवगत करायेगें। नवीन सत्र के पूर्व एवं प्रधानाचार्य सम्मेलन में जाने से पूर्व प्राप्त उपलब्धियों के संच को लिखित, चित्र सहित Soft copy या Hard copy में प्रदेश को समर्पित करेगें।

समाचार पत्रों का कतरन भी इसमें हो। सत्र 2022-23 में समाज के अनेक महानुभावों ने, मान्यवर/मान्या ने दीप प्रज्वलित किया होगा, विचार अभिव्यक्ति हुई होगी, विद्वत गोष्ठी, मातृ सम्मेलन, अभिभावक गोष्ठी, शोध गोष्टी में अमूल्य सुझाव प्राप्त हुए होंगे। इसे लिपिबद्ध भी किया गया होगा। इसकी छाया प्रति या टंकित प्रति भी प्रदेश को समर्पित करेंगे।

अनेक विद्यालयों ने आर्थिक क्षेत्र में प्रगति की है। आर्थिक पादर्शिता लायी है, आर्थिक सूचिता प्राप्त की है, बजट अंकेक्षण एवं रिटर्न समय पर व्यवस्थित किया है। नियमावली के अनुसार ही कार्य करते हैं तो कृपया लिखित आख्य भी प्रधानाचार्य सम्मेलन में समर्पित करेंगे।

बंधुवर आप सभी आख्य संचिका में एकत्र कर प्रधानाचार्य सम्मेलन मे आयोजित विभाग बैठक में जमा करेंगे। प्रधानाचार्य सम्मेलन से संबंधित पत्रक जनवरी के प्रथम सप्ताह में प्रेषित किया जायेगा।

इस पत्रक से समिति एवं आचार्य परिवार को भी अवगत कराने की कृपा करेगें। समिति के महानुभावों को Print भी देना चाहिए।

पत्रक को समिति मध्य एवं आचार्यों के मध्य सुनाने की व्यवस्था शीघ्र बनानी चाहिए। मासांत की प्रतिक्षा न करें।

।। इतिशुभम् ।।

भवदीय

28/11/2022

(अजय कुमार तिवारी)
प्रदेश सचिव
विद्या विकास समिति, झारखंड